समाज कार्य परामर्श में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(एम.एस.डब्ल्यू. परामर्श द्वितीय वर्ष)

सत्रीय कार्य : 2023–2024

पाठ्यक्रम शीर्षक

एम.एस.डब्ल्यू–012: जीवन की विशेषताओं और चुनौतियों का परिचय
एम.एस.डब्ल्यू–013 : परामर्श के मनोवैज्ञानिक आधार का परिचय
एम.एस.डब्ल्यू–014 : परामर्श में सामाजिक वैयक्तिक कार्य की प्रासंगिकता
एम.एस.डब्ल्यू.–015: परामर्श के मूल तत्व
एम.एस.डब्ल्यू.–016: परामर्श के क्षेत्र

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य जमा कराने की अन्तिम तारीख:
जुलाई,2023 सत्र –31 मार्च,2024
जनवरी,2024 सत्र –30 सितम्बर,2024

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय

समाज कार्य विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

प्रिय शिक्षार्थी,

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के समाज कार्य (परामर्श) में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (द्वितीय वर्ष)में आपका स्वागत है। आपने समाज कार्य में स्नातकोत्तर होने के लिए यह कार्यक्रम एक उद्देश्य के साथ चुना है ताकि आप मानवजाति की सामाजिक दशाएं सुधार सकें।समाज कार्य (परामर्श) कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, कृपया निम्नलिखित बातों का पालन करें:

अपना अध्ययन आरंभ करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका को पढ़िए। इससे इग्नू के समाज कार्य (परामर्श)कार्यक्रम का अध्ययन करने के बारे में आपके अधिकतर संदेह दूर हो जाएंगे।

- आप अपने सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में समय पर जमा कराएं।
- अपने अध्ययन केंद्र और क्षेत्रीय केंद्र के संपर्क में रहें।
- क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षण के लिए अध्ययन केंद्र में अपने क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक से मिलें।
  परीक्षा फार्म समय पर भरें।

सत्रीय कार्य एक खुली किताब है और हम इग्नू में प्रत्येक पाठ्यक्रम के समग्र ग्रेड की गणना करते समय सत्रीय कार्यों के लिए30% भारित देते हैं।**सत्रीय कार्य हस्तलिखित और स्वहस्ताक्षरित होने चाहिए।** सत्रीय कार्य–प्रतिक्रिया का एक अच्छा सेट तैयार करने के लिए आप उन सभी अध्यायों को पढ़े जिनमें से सवाल तैयार किए गए हैं। आप अपने सहकर्मी, शैक्षिक परामर्शदाताओं और प्रोफेसरों के साथ चर्चा करें, जिन्होंने आपको पढ़ाया है। मसौदा तैयार करें, उस पर आवश्यक सुधार करें और तब अंतिम संस्करण अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करने के लिए तैयार करें।

हर सवाल का जवाब देने के लिए नया पृष्ठ शुरू करें। लंबे और मध्यम जवाब देने के लिए एक परिचय, मुख्य भाग के लिए एक उप–शीर्षक और एक निष्कर्ष हो। प्रत्येक अनुच्छेद के बीच एक लाईन छोड़ें। आपके जवाब विशिष्ट हों और आपके अपने शब्दों में हो, यह किताब की नकल ना हो। आपके उत्तर इग्नू के पठन सामग्री पर आधारित हों। सत्रीय कार्य आपके सत्रांत परीक्षा की तैयारी है, इसलिए इसे गंभीरतापूर्वक लें।

डॉ. एन. रम्या
(कार्यक्रम समन्वयक)

जीवन की विशेषताओं और चुनौतियों का परिचय
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–012
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) मानव विकास का अर्थ स्पष्ट करें। शैशवावस्था और बचपन में विकास संबंधी विषयों पर चर्चा करें। 20

अथवा

किशोरावस्था में मनोवैज्ञानिक और सामाजिक चुनौतियों पर प्रकाश डालिए। 20

2) पारिवारिक जीवन चक्र के आठ चरणों की चर्चा करें। 20

अथवा

बदलती जनसांख्यिकीय स्थिति को समझाइये । 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **300** शब्दों में दीजिएः

क) नैतिक विकास में पालन–पोषण और समाजीकरण की भूमिका का वर्णन करें। 10
ख) किशोरावस्था के दौरान सामने आने वाले विकासात्मक कार्यों को सूचीबद्ध करें। 10
ग) पालन–पोषण कौशल और बाल विकास। 10
घ) वृद्ध लोगों के साथ सामाजिक प्रतिक्रिया और परामर्शदाता की भूमिका की व्याख्या करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग **150** शब्दों में लिखिएः

क) शैशवावस्था और बचपन के दौरान संज्ञानात्मक विकास पर प्रकाश डालें। 5
ख) किशोरों के व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारकों को सूचीबद्ध करें। 5
ग) किशोरों के जीवन और विकास में माता–पिता की भूमिका की व्याख्या करें । 5
घ) भूमिकाओं के वर्गीकरण पर चर्चा करें। 5
ङ) वृद्धावस्था की विशेषताओं का उल्लेख करें। 5
च) कृषि और मध्ययुगीन समाज में बुजुर्गों द्वारा निभाई गई भूमिकाओं का वर्णन करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर लगभग **100** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिएः

क) स्वाभिमान 4
ख) प्रतिभा 4
ग) आध्यात्मिक विकास 4
घ) सहकर्मी–संस्कृति 4
ङ) पितृत्व के चरण 4
च) आत्म–नियंत्रण 4
छ) घटना संबंधी सिद्धांत 4
ज) सक्रिय उम्र बढ़ना 4

परामर्श के मनोवैज्ञानिक आधार का परिचय
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–013
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) लेन–देन संबंधी विश्लेषण के प्रमुख प्रकारों और इसके उपयोगों पर चर्चा करें। 20

अथवा

एरिक्सन के मनोसामाजिक विकास के चरणों की मुख्य विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 20

2) हाइपरकिनेटिक विकारों के संकेत,लक्षण, कारण और उपचार प्रस्तुत करें। 20

अथवा

मनोभ्रंश के लक्षण और कारणों को सूचीबद्ध करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 300 शब्दों में दें:

क) व्यक्तित्व के 'पांच कारक मॉडल' की व्याख्या करें? 10

ख) सामाजिक मनोविज्ञान के किन्हीं पाँच अनुप्रयोगों का उल्लेख करें। 10

ग) असामान्यता को परिभाषित करें और विशिष्ट मानदंड निर्दिष्ट करें। 10

घ) सिजोफ्रेनिया के नैदानिक मानदंड प्रस्तुत करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए:

क) मनोविज्ञान की किन्हीं तीन शाखाओं का वर्णन करें? 5

ख) मनोवृत्ति की विशेषताएँ सूचीबद्ध करें। 5

ग) समूह गतिशीलता का क्या महत्व है? 5

घ) सामाजिक विविधता के प्रति खतरों के प्रबंधन के तरीकों का उल्लेख करें। 5

ङ) अभिघातजन्य तनाव विकार के प्रमुख लक्षण लिखिए। 5

च) एकध्रुवीय अवसाद की व्याख्या करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं पांच पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त नोट्स लिखें:

क) प्रकार्यवाद 4

ख) समूह एकजुटता 4

ग) जातिवाद 4

घ) सामाजिक शिक्षा 4

ङ) भीड़ से डर लगना (Agoraphobia) 4

च) पारस्परिक थेरेपी 4

छ) सह–निर्भरता 4

ज) विघटनकारी फुगे(Dissociative Fuge)

परामर्श में सामाजिक वैयक्तिक कार्य की प्रासंगिकता
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–14
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) वैयक्तिक कार्यकर्ता ग्राहक संबंध के सिद्धांतों पर विस्तार से चर्चा करें। 20

अथवा

उपयुक्त उदाहरण सहित स्वास्थ्य देखभाल में सामाजिक वैयक्तिक कार्यकर्ता की भूमिका को उचित ठहराएँ। 20

2) भारत में सुधारात्मक व्यवस्थाओं के इतिहास का पता लगाएं। 20

अथवा

परिवार में विभिन्न प्रकार की समस्याओं को सूचीबद्ध करें। परिवार में समस्याओं को सुलझाने के लिए वैयक्तिक कार्यकर्ता द्वारा उपयोग की जाने वाली रणनीतियाँ क्या हैं? 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं दो का उत्तर लगभग 300 शब्दों में दीजिए:

क) प्रासंगिक उदाहरणों के साथ सामुदायिक वैयक्तिक कार्यकर्ता की भूमिका पर चर्चा करें। 10
ख) वैयक्तिक कार्य में परामर्श की भूमिका को परिभाषित करें। 10
ग) वैयक्तिक कार्य संबंध की विशेषताएं क्या हैं? स्पष्ट करें। 10
घ) प्रेरणा वृद्धि सिद्धांत पर चर्चा करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दें:

क) भारत में अभ्यासकर्ताओं द्वारा वैयक्तिक कार्य को किस प्रकार देखा जाता है? 5
ख) सुधारात्मक वैयक्तिक कार्यकर्ता की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां परिभाषित करें। 5
ग) सामाजिक वैयक्तिक कार्य की सुधारात्मक धारणाएँ क्या हैं? 5
घ) वैयक्तिक कार्य प्रैक्टिस के क्षेत्रों को संक्षेप में समझाएं। 5
ङ) महामारी के बाद स्वास्थ्य देखभाल में सामाजिक कार्यकर्ता की उभरती भूमिकाएँ क्या हैं? 5
च) वैयक्तिक कार्य में शामिल विभिन्न नैतिक मुद्दे क्या हैं? 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:

क) सेवन 4
ख) अनुपस्थिति 4
ग) चिकित्सा सामाजिक कार्य के काय 4
घ) परामर्श 4
ङ) बर्नआउट 4
च) योजना और तैयारी 4
छ) साक्षात्कार की तकनीक 4
ज) सामाजिक निदान 4

परामर्श की मूल बातें
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–15
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) . परामर्श प्रक्रिया को विस्तार से समझाइये। 20

अथवा

परामर्श प्रक्रिया के सफल समापन में परामर्श उपकरणों की भूमिका पर प्रकाश डालिए। 20

2) सहायक मनोचिकित्सा क्या है? सहायक मनोचिकित्सा के घटकों और तकनीकों पर चर्चा करें। 20

अथवा

संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी से आप क्या समझते हैं? संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी के सैद्धांतिक आधार पर चर्चा करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **300** शब्दों में) दीजिएः

क) परामर्श की विभिन्न विशेषताओं की व्याख्या करें। 10

ख) परामर्श प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले कारकों पर प्रकाश डालिए। 10

ग) भारतीय परिवार और विवाह प्रणाली के संदर्भ में वैवाहिक चिकित्सा की प्रासंगिकता क्या है? 10

घ) बच्चों के साथ खेल चिकित्सा के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिएः

क) परामर्श और मनोचिकित्सा के बीच प्रमुख अंतर क्या हैं? 5

ख) एक सफल परामर्शदाता के गुणों और कौशलों पर चर्चा करें। 5

ग) नाबालिगों को परामर्श देने के कानूनी निहितार्थों की व्याख्या करें। 5

घ) भारत में पारिवारिक चिकित्सा के ऐतिहासिक विकास का वर्णन करें। 5

ङ) परामर्श में नैतिकता के महत्व पर प्रकाश डालें। 5

च) भारत में परामर्श में उभरती प्रवृत्तियों पर संक्षेप में चर्चा करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (लगभग **100** शब्दों में) लिखिएः

क) गेस्टाल्ट थेरेपी 4

ख) प्रबंधित देखभाल 4

ग) नैतिक परामर्श 4

घ) पारिवारिक चिकित्सा 4

ङ) संदर्भ का ढांचा 4

च) लेन–देन संबंधी विश्लेषण 4

छ) सूचित सहमति 4

ज) व्यक्ति केन्द्रित चिकित्सा 4

परामर्श के क्षेत्र
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–16
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) मानसिक स्वास्थ्य से आप क्या समझते हैं? मानसिक स्वास्थ्य अभ्यास मॉडल पर चर्चा करें। 20

अथवा

परामर्श क्या है? परामर्श के चरणों पर चर्चा करें? 20

2) पुनर्वास परामर्श के विशेष क्षेत्रों के बारे में लिखें। 20

अथवा

पितृत्व के चरणों की व्याख्या करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **300** शब्दों में) दीजिए:

क) घरेलू हिंसा से महिलाओं की सुरक्षा अधिनियम, 2005 के बारे में लिखें। 10

ख) किशोरावस्था के भावनात्मक विकास की विशेषताओं का उल्लेख करें। 10

ग) तनाव की अवधारणा का वर्णन करें? तनाव पैदा करने वाले कारकों और उसके परिणामों की पहचान करें। 10

घ) किशोरावस्था परामर्श के दौरान आवश्यक कौशल क्या होंगे? 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिए:

क) आत्म–सम्मोहन का संक्षेप में वर्णन करें? 5

ख) एचआईवी/एड्स से संबंधित कानूनी और नैतिक मुद्दे क्या हैं? 5

ग) लैंगिक रूढ़िवादिता का संक्षेप में वर्णन करें। 5

घ) किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम 2000 पर प्रकाश डालिए। 5

ङ) प्राथमिक विद्यालय परामर्शदाता की कोई पाँच भूमिकाएँ सूचीबद्ध करें। 5

च) कृषि और मध्ययुगीन समाज में बुजुर्गों द्वारा निभाई गई पाँच प्रमुख भूमिकाएँ सूचीबद्ध करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (लगभग **100** शब्दों में) लिखिए:

क) मेट (MET) 4

ख) वैवाहिक परामर्श 4

ग) मुकाबला करने का कौशल 4

घ) परिवार परामर्श 4

ङ) प्रभावी पालन–पोषण 4

च) देखभाल करना 4

छ) बच्चों के साथ परामर्श 4

ज) वृद्धावस्था में समस्याएँ 4